4309 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

रु. 18600

1. लेख्यकारी:- छोटे कोरैशी वल्द खालीक कोरैशी कायम जाति कसाब निवास स्थान मुस्लिम नगर अन्दर शहर वो थाना डालटनगंज जिला पलामूं पेशा कास्तकारी (भारतीय)।

2. लेख्यधारी:- श्रीमति प्रमीला देवी जौजे श्री दुदुन सिंह कायम जाति राजपूत निवास स्थान रामपुर पत्रालय कउवल थाना चैनपुर जिला पलामूं पेशा गृहणी वो खेती (भारतीय)।

3. लेख्यप्रकार:- निर्विवाद विक्रयपत्र

सही छोटे कोरैशी मो० 93000/ तिरानबे हजार रुपया में मवाजीo 7 1/2 डी० जमीन मौजा शाहपुर टोला सेमरटांड़ का बेचा वसिका पढकर समझा किया। 29.5.2003

006130 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

४. मूल्य:- मो. ९३,०००) तिरानबे हजार-
— रूपयें —

बाजारभाव:- मो. ९३,०००) तिरानबे -
- हजार रूपयें —

५. सम्पत्ति:- मवाजी ०.७½ साढ़े सात डिस.
जमीन खंड III जो आवास लायक
है, जिसकी चौड़ाई उ० से द० ५१½'
एवं लम्बाई ६१' है जिसका क्षेत्रफल
बराबर ३१४१½ वर्ग फीट होता है जो
बराबर दो कट्ठा का होता है।
हसब तफसील मौजा वाके मौजा
शाहपुर टोला सेमरटाड़ थाना
पेनपुर जिला पलामू निबंधन
कार्यालय आमनगंज स्थित
खरीददार का घर होल्डिंग
बिक्री करते हैं।

खाता न०	तौजी	हा०	प्लौट न०
११२	५१	३	२३२६

सही छोड़े करेंगे 29-5-2003

INDIA NON JUDICIAL

२००० रु. Rs. 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा	चौहद्दी
१०५	११८३	ए० डी० ०.७१	उ: बीज विक्रेता
एक सौ पांच	ग्यारह सौ तिरासी		द० सावित्री देवी
			पु: १२' चौड़ा आम रास्ता
			प० कामेश्वर ठाकुर वगैरह

मकान [illegible]

कुल ०.७१ ए० जमीन

बिक्री [illegible]

नाम खरीददार: झारखण्ड सरकार द्वारा सी० ओ० चान्हो

नाम बिक्रेता: श्री [illegible] पिता [illegible]

[illegible] 29-5-2008

[illegible] 29.5.2008

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

— विदित हो कि सम्पत्ति खाना नं० ५ बसिका हाजा मेरी खरीदगी सम्पत्ति मरकुमे रजि० तारीख २२-६-१९९९ ईस्वी को बदस्त श्री गोपाल दास वल्द स्व० श्याम सुन्दर दास से केवाला सं० ५२३६ के द्वारा किार — एराजीयात के साथ हासिल है। जिसका सिरिस्ते मालिक के यहां दा० खारिज केश नं० 26/99-2000 के द्वारा डिमाण्ड भी मेरे नाम से खुल गया है, तथा रसिद मालगुजारी भी मेरे नाम से कट रही है। मैंने अपर समाहर्त्ता मेदिनीनगर डालटनगंज पलामू द्वारा सीमांकन भी करा लिया है। जिसका वाद सं० ६/2000-2001 दर्ज हुआ है। तथा अमीन द्वारा मेरी खरीदगी सम्पत्ति जिसका पूरा रकबा 2.89½ डीस० है। अमीन द्वारा नापी कर नक्शा बनवाकर खुंटागाड़ी भी करा दिया गया है। जिसपर लेखकारी का शान्ति पूर्वक दखल कब्जा है व चला आता है।

सही छोटे की रेरी 29-5-2003

100Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

— चूंकि यह सम्पत्ति गोपाल दास की माता सारो देवी जौजे श्याम सुन्दर दास के नाम से कुल ६.७९ डि० जमीन केवाला नं० 3741 व 3742 के द्वारा 12.5.1971 ई० को खरीद की थी / और ता जिन्दगी उस पर कायम को रहकर अपने पिछे दो लड़के गुलाब दास व गोपाल दास तथा दो लड़कियाँ सावित्री देवी व कलावती देवी को छोड़कर कजा कर गई / इस तरह सारो देवी की सम्पत्ति में दोनों भाइयों व दोनों बहनों का हक बनता था तो गोपाल दास की एक बहन सावित्री देवी जौजे श्री बंशी दास ने दिनांक 5-6-2002 ईस्वी को दस्तावेज सं० 2773 के माध्यम से स्वीकृती पत्र लेख्यकारी छोटे कोरेशी के नाम से लिख दी है ताकि इसपर भविष्य में किसी तरह का विवाद नहीं रह जाए / ———

सही छोटे कोरेशी 29-5-2003

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

— इस वक्त मुझे रुपये की
सख्त जरूरी वास्ते बढ़ाने अपने
कारोबार के लिए है जो बिना किए
यह मामला बिक्री जमीन के रुपये
का प्रबन्ध खाश अपने पास से
होना मुश्किल है। इसलिए मैं उक्त
सम्पत्ति खाता नं० 2 बसिका हाजा
की भू-भाग को बनाम व हक्क
लेखपधारी खाता नं० 2 बसिका हाजा
के साथ व मूल्य मो० ६2000) रुपये
में बिक्री किए वो निर्विवाद विक्रय-
-पत्र (केवाला) लिखवा दी मैं आज
से अपना कायम वो काबिज
दखिल गरदाना।
चाहिए की खरीदार मौसूफा
खुद मय वारिसान कायम वो
काबिज दखिल रहकर अपना
भवन निर्माण करें, बाग वो
बागीचा लगावें, वो जैसा भी
अपना मुनासिब समझें करें।
तथा दीगरवाला आमदनी को

29-5-2002

100Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

वा जैसा भी चाहें भोग करें। इससे
मुझे वा मेरे वारिसान को कोई
सरोकार नहीं रहा। ना ही आइन्दे
कभी भी होगा। साथ ही साथ मैं
खरीदार को यह भी विश्वास दिलाता
हूँ कि सम्पत्ति खाना नं० 2 वर्णित हाला
हर तरह से पाक साफ तथा भार
मुक्त है। वो खरीदार मौजूदा व
सिरिस्ते मालिक अपना नाम दर्ज
कराकर मालगुजारी दिया करें।
वो तकाजुल बदलैन फरीकैन के
अमल में आया मूल्य (१ लाख ५१)
चुके हैं।

इसलिए मैं अपनी राजी
खुशी से अपना नफा नुकसान
को व खूबी सोच समझकर
यह निर्विवाद विक्रयपत्र (केवाला)
लिख दिया की समय पर
काम आवे वो प्रमाण रहे।
ता: 26 मई सन 2003 ईस्वी।

सही छोटे कोरैशी
29-5-2003

८:

20 Rs.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु. TWENTY RUPEES 20Rs

प्रमाणित किया जाता है कि यह
प्रति एक दुसरे दस्तावेज की
हुबहू प्रतिलिपि है।

कातिब: अरुण कुमार शुक्ला
वासिका नवीस मो० डालटनगंज
वासिका हाजा लिखा व पढ़कर
फरीकैन को सुना दिया।
ता: 26-5-2003 ई०
दस्तावेज अनुज्ञप्ति ला० न०
54 2003 पलामू।

सही [illegible] 29-5-2003